14 राजस्थान के लोकनृत्य

1. **कत्थक क्या है?**
(1) लोक नाट्य (2) शास्त्रीय नृत्य
(3) लोक कला (4) हस्त कला (2)

व्याख्या– कत्थक राजस्थान का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य है। इसके प्रवर्तक भानू जी थे। नृत्य की कत्थक शैली का आदिम घराना जयपुर घराना है।

2. **निम्न में से कौनसा युग्म असुमेलित है?**
(1) जवारा नृत्य– गरासिया जाति
(2) द्विचक्री नृत्य– मीणा जाति
(3) रणबाजा नृत्य– मेव जाति
(4) युद्ध नृत्य– भील जाति (2)

व्याख्या– द्विचक्री नृत्य भीलों द्वारा किया जाता है।

3. **निम्न में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है?**
लोक नृत्य जाति
(1) नेजा नृत्य – गरासिया
(2) चरी नृत्य – मीणा
(3) मावलिया नृत्य – कथौड़ी
(4) वालर नृत्य – भील (3)

व्याख्या– मावलिया नृत्य कथौड़ी जाति का है। यह नृत्य नवरात्रों में 9 दिनों तक कथौड़ी जाति के लोग समूह बनाकर ढोलक व बांसूरी के साथ देवी–देवताओं के गीत गाते हुए गोल घेरे में नृत्य करते हैं।

4. **निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है?**
(1) गींदड़ नृत्य– शेखावाटी
(2) डांडिया नृत्य– मारवाड़
(3) अग्नि नृत्य– बीकानेर
(4) बम नृत्य– सवाई माधोपुर (4)

व्याख्या– बम नृत्य भरतपुर, डीग व अलवर में किया जाता है।

5. **घुड़ला नृत्य कब किया जाता है?**
(1) कार्तिक अमावस्या (2) चैत्र कृष्णा 8
(3) श्रावण शुक्ला 3 (4) माघ शुक्ला 5 (2)

व्याख्या– घुड़ला नृत्य जोधपुर का प्रसिद्ध लोकनृत्य है, जो केवल महिलाओं द्वारा चैत्र कृष्ण अष्टमी को किया जाता है। यह नृत्य प्रायः रात में ही किया जाता है।

6. **तलवारों की गैर कहाँ की प्रसिद्ध है?**
(1) मेनार (उदयपुर) (2) कतरियासर (बीकानेर)
(3) मांडल (भीलवाड़ा) (4) शाहपुरा (1)

7. **निम्न में से कौन–सा वाद्ययंत्र राजस्थान के तेरहताली नृत्य में प्रयोग में नहीं आता?**
(1) डेरु (2) मंजीरा
(3) तानपुरा (4) चौतारा (1)

8. **किस नृत्य के दौरान लसकरिया, बींद, रसाला व रंगमारिया गीत गाये जाते हैं?**
(1) मोहिली नृत्य (2) कबूतरी नृत्य
(3) गींदड़ नृत्य (4) कच्छीघोड़ी नृत्य (4)

9. **निम्न में से कौन–सा गरासिया जनजाति से सम्बन्धित नृत्य है?**
(1) घुड़ला नृत्य (2) वालर
(3) गैर नृत्य (4) गवरी (2)

व्याख्या– वालर नृत्य सिरोही में गरासिया जनजाति द्वारा बिना वाद्य यंत्र के स्त्री–पुरुषों द्वारा किया जाता है इसे गरासिया घूमर भी कहते है।

10. **'हाथीमना नृत्य' किस जनजाति में प्रचलित है?**
(1) गरासिया जनजाति (2) सहरिया जनजाति
(3) कथौड़ी जनजाति (4) भील जनजाति (4)

व्याख्या– भील जनजाति द्वारा विवाह के अवसर पर घुटनों के बल बैठकर हाथीमना नृत्य किया जाता है।

11. **मांगीबाई, मोहनी, नारायणी व लक्ष्मणदास का संबंध किस लोकनृत्य से है?**
(1) तेरहताली (2) गींदड़
(3) कच्छीघोड़ी (4) कालबेलिया (1)

12. **मुगल सम्राट शाहजहाँ के समय से ही प्रसिद्ध 'नाहर नृत्य' खेलने की परम्परा कहाँ प्रचलित है?**
(1) मेनार (उदयपुर) (2) ब्यावर
(3) माण्डल (भीलवाड़ा) (4) शाहपुरा (3)

13. **फलकूबाई किस नृत्य से संबंधित है?**
(1) अग्नि नृत्य (2) तेरहताली नृत्य
(3) गैर नृत्य (4) चरी नृत्य (4)

व्याख्या– चरी नृत्य मुख्यतः किशनगढ़ में प्रचलित है, अब यह व्यावसायिक नृत्य हो गया है।

14. **निम्नांकित जातियों/जनजातियों/पंथों व उनके नृत्यों के सही युग्म कौनसे हैं–**
नृत्य जाति/जनजाति/पंथ
(1) गैर नृत्य – भील जाति
(2) मछली नृत्य – बणजारा जाति
(3) शंकरिया नृत्य – कालबेलिया जाति
(4) अग्नि नृत्य – जसनाथी सम्प्रदाय
(1) 1,2 3 (2) 1,3,4
(3) 2,3,4 (4) 1,2,3,4 (4)

15. **निम्न में से कौनसा लोक नृत्य होली पर नहीं किया जाता?**
(1) नेजा (2) चंग
(3) पेजण (4) गैर (3)

व्याख्या– पेजण लोकनृत्य मुख्यतः वागड़ क्षेत्र में दीपावली के अवसर पर पुरुष कलाकार द्वारा महिला की वेशभूषा धारण करके किया जाता है।

16. **घुड़ला नामक नृत्य राजस्थान के किस शहर में लोकप्रिय है?**
(1) अजमेर (2) सीकर
(3) उदयपुर (4) जोधपुर (4)

Lead, Read and Achieve Dhindhwal Publication

17. **निम्न में से कौन सा नृत्य पुरुषों द्वारा नहीं किया जाता है?**
(1) ढोल (2) अग्नि
(3) लूर (4) गैर (3)

व्याख्या– 'लूर नृत्य' लूर गोत्र की गरासिया महिलाओं द्वारा मेले व शादी के अवसर पर किया जाता है। लूर नृत्य घूमर नृत्य का ही एक रूप है। ढ़ोल नृत्य, अग्नि नृत्य व गैर नृत्य पुरुषों द्वारा किये जाने वाले नृत्य हैं।

18. **तेरहताली नृत्य किस लोक देवता की आराधना में किया जाता है?**
(1) रामदेवजी (2) तेजाजी
(3) देवनारायण जी (4) पाबूजी (1)

19. **किस लोकनृत्य में नगाड़ा, डफ व चंग वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया जाता है–**
(1) गींदड़ नृत्य (2) कच्छीघोड़ी नृत्य
(3) कूद नृत्य (4) वालर नृत्य (1)

व्याख्या– शेखावाटी क्षेत्र में होली के अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाला यह नृत्य केवल पुरुषों द्वारा किया जाता है। नगाड़ा वाद्ययंत्र के साथ पुरुष अपने दोनों हाथों में डण्डे लेकर उन्हें परस्पर टकराकर नृत्य करते है।

20. **कूद नृत्य किस जनजाति का है?**
(1) सहरिया जनजाति (2) गरासिया जनजाति
(3) कथोड़ी जनजाति (4) भील जनजाति (2)

व्याख्या– गरासिया स्त्री-पुरुषों द्वारा बिना वाद्ययंत्र के पंक्तिबद्ध होकर यह नृत्य करते समय तालियों का प्रयोग किया जाता हैं।

21. **निम्न नृत्यों में से कौनसा नृत्य राजस्थान से संबंधित नहीं है?**
(1) गरबा (2) कालबेलिया
(3) घूमर (4) भवाई (1)

व्याख्या – गरबा मूलतः गुजरात राज्य का नृत्य है।

22. **कालबेलिया नृत्य को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली नृत्यांगना है?**
(1) गुलाबो (2) सीमा मिश्रा
(3) फलकू बाई (4) अस्मिता काला (1)

व्याख्या– कालबेलिया नृत्य को 2010 में यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है। इस नृत्य की प्रमुख कलाकार गुलाबो देवी है। जिसने विदेशों में भी इस नृत्य की शानदार प्रस्तुति की है। प्रमुख नृत्यांगना– गुलाबो, कंचन सपेरा, कमली व राजकी।

23. **किस लोकदेवता के भक्तों द्वारा सांकल नृत्य किया जाता है?**
(1) रामदेव जी (2) गोगाजी
(3) पाबूजी (4) तेजाजी (2)

24. **तेरहताली, गींदड़ व कच्छी घोड़ी क्या है?**
(1) राजस्थान के लोकगीत
(2) राजस्थान की संगीतजीवी जातियाँ
(3) राजस्थान की संगीत गायन शैलियाँ
(4) राज्य की नृत्य विधाएँ (4)

25. **किस नृत्य में सिर पर बैलगाड़ी का पहिया रखकर उस पर दीपक रख कर नृत्य किया जाता है?**
(1) बिंदौरी नृत्य (2) खारी नृत्य
(3) बम नृत्य (4) चरकूला नृत्य (4)

व्याख्या– यह भरतपुर क्षेत्र का महिला प्रधान नृत्य है, जिसमें सिर पर बैलगाड़ी का पहिया रखकर उस पर दीपक रखकर नृत्य किया जाता है।

26. **घूमर लोक नृत्य को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए ....में राजस्थान में 'गणगौर घूमर नृत्य अकादमी' स्थापित की गई–**
(1) 1966 में (2) 1976 में
(3) 1986 में (4) 1996 में (3)

व्याख्या– गणगौर घूमर नृत्य अकादमी की स्थापना 1986 में की गई। किशनगढ़ महाराजा यज्ञनारायण सिंह की पुत्री गोवर्धन कुमारी ने गणगौर व घूमर नृत्य जैसे लोकनृत्यों को बढ़ावा देने के लिए इस संस्थान की स्थापना की गई। इस संस्थान का संचालन मुम्बई से होता है।

27. **राजस्थान के किस लोक नृत्य को यूनेस्को (UNESCO) द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है?**
(1) घूमर नृत्य (2) गैर नृत्य
(3) तेरहताली नृत्य (4) कालबेलिया नृत्य (4)

28. **निम्न में से कौनसा नृत्य मेवाड़ क्षेत्र का नहीं है?**
(1) भंगड़ा (2) रण
(3) भवाई (4) हरणों (1)

व्याख्या– भंगड़ा नृत्य मूलतः पंजाब क्षेत्र का नृत्य है जो कि राजस्थान की सीमावर्ती क्षेत्र गंगानगर व हनुमानगढ़ में किया जाता है।

29. **थाकना शैली का संबंध किससे है?**
(1) ढोल नृत्य (2) इडाणी नृत्य
(3) भांकरिया नृत्य (4) भवाई नृत्य (1)

व्याख्या– ढ़ोल नृत्य में कलाकारों का मुखिया 'थाकना शैली' में ढ़ोल बजाता है। थाकना समाप्त होते ही कुछ पुरुष अपने मूँह में तलवार लेकर, कुछ हाथों में डंडे लेकर, कुछ भुजाओं में रूमाल लटका कर लयबद्ध नृत्य करने लगते हैं।

30. **निम्न में से कौनसा नृत्य धार्मिक नृत्य है?**
(1) द्विचक्री नृत्य (2) मांदल नृत्य
(3) थाली नृत्य (4) झेला नृत्य (3)

व्याख्या– थाली नृत्य पाबूजी के भक्तों द्वारा रावणहत्था वाद्ययंत्र के साथ किया जाता है। इस नृत्य में नृत्यकार थाली को अपनी अंगुली पर घुमाते है।

Dhindhwal Publication

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें –

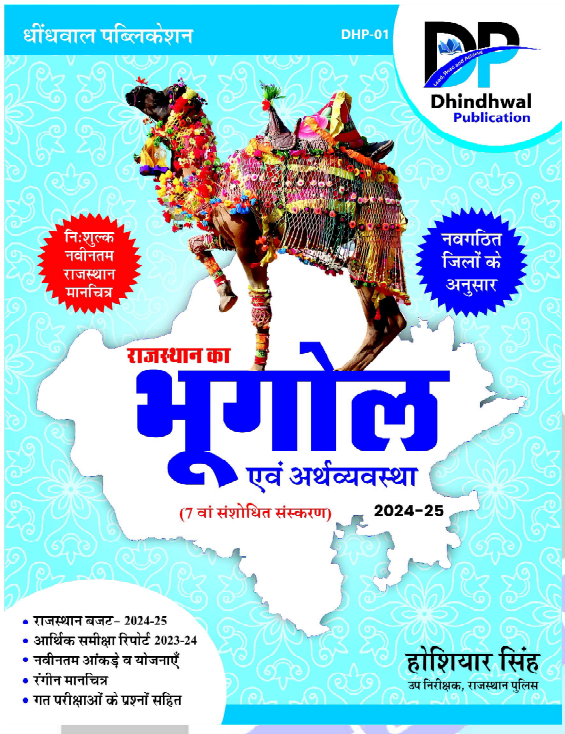

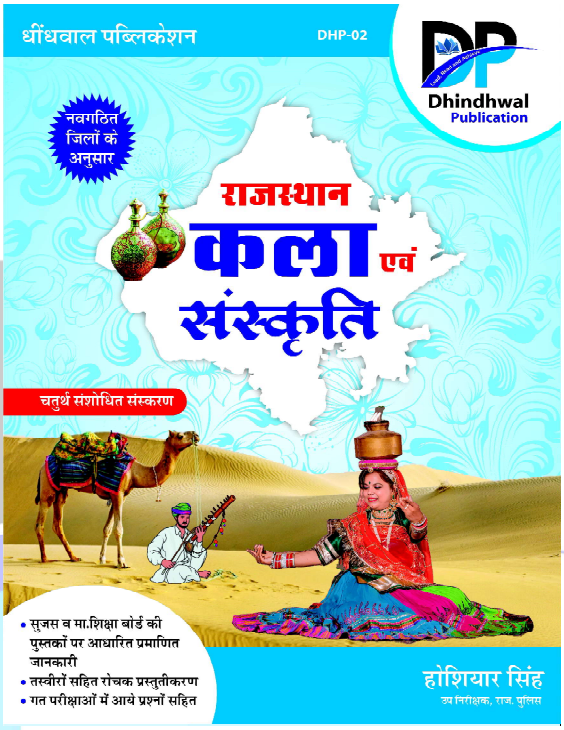

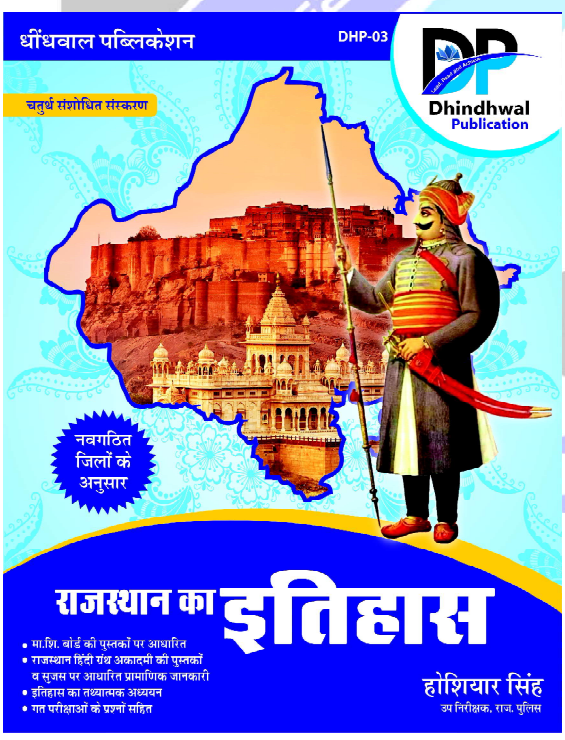

टेलीग्राम से जुड़ने के लिए

@DHINDHWAL2023GK

– Dhindhwal Publication

– धींधवाल पब्लिकेशन

– Dhindhwal Classes

– @Publication-DP

– Dhindhwal Publication

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध है। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।